(1)

SHREENATH Date ____ Page ____

कार्यपालिका :-

वर्तमान शासन व्यवस्था में कार्यपालिका सबसे महत्वपूर्ण अंग है प्राचीन समय में तो शासक अथवा कार्यपालिका के कार्य ही राज्य के कार्य माने जाते थे वर्तमान लोककल्याणकारी राज्यों में राज्य के कार्यों में बढ़ोतरी को कार्यपालिका के कार्यों की बढ़ोतरी माना गया। मोटे अर्थ में शासन का जो अंग कानूनों को लागू करता है उसे कार्यपालिका कहते हैं।
सीमित अर्थ में कार्यपालिका में केवल राजनीतिक कार्यपालिका शामिल है। जबकि व्यापक अर्थ में राजनैतिक व प्रशासनिक दोनों कार्यपालिका शामिल है।

कार्यपालिका के प्रकार :-

(1) नाममात्र व वास्तविक कार्यपालिका - संविधान द्वारा प्रदान की गई शक्तियां जिसे प्राप्त होती हैं उन शक्तियों को कोई और इस्तेमाल करता है। अतः जिसे शक्तियां प्रदान की गई हैं वह नाममात्र और जो उन शक्तियों का प्रयोग करता है वह वास्तविक कार्यपालिका है।
नाममात्र की कार्यपालिका भी दो प्रकार की होती है।
1. वंशानुगत कार्यपालिका 2. निर्वाचित कार्यपालिका

(2) एकल व बहुल कार्यपालिका - वास्तविक कार्यपालिका पुनः दो प्रकार की हो सकती है 1. एकल 2. बहुल
जहाँ सारी कार्यपालिका शक्ति किसी एक ही व्यक्ति में केन्द्रित हो तो उसे एकल कार्यपालिका कहते हैं। जैसे भारत, ब्रिटेन, अमेरिका
- जहाँ संविधान द्वारा ही कार्यपालिका शक्ति एक से अधिक समकक्ष व्यक्तियों में बांट दी जाए तो उसे बहुल कार्यपालिका कहते हैं। जिसका एक मात्र उदाहरण स्विट्जरलैंड जहाँ सात व्यक्ति कार्यपालिका शक्ति का इस्तेमाल करते हैं।

3. राजनैतिक व गैर राजनैतिक कार्यपालिका - संवैधानिक रूप से कार्यपालिका शक्ति का जो इस्तेमाल करते है उसे राजनैतिक कार्यपालिका कहते है जैसे भारत में प्रधानमंत्री और मंत्रीपरिषद। राजनैतिक कार्यपालिका को अस्थाई कार्यपालिका भी कहते है। राजनैतिक कार्यपालिका जिन प्रशासनिक अधिकारीयो की सहायता से कार्य करती है उसे गैर राजनैतिक अथवा स्थायी कार्यपालिका कहते है। जैसे भारत में लोकसेवक (प्रशासनिक अधिकारी)

-: कार्यपालिका की नियुक्ति :-

कार्यपालिका का प्रमुख वंशानुगत अथवा नियुक्त हो और यदि नियुक्त होता है तो किस तरीके से हो इसे लेकर सर्वमान्यता नही है।

ब्रिटेन, साउदीअरब आदि देशो मे कार्यपालिका वंशानुगत है। जबकि इसके विपरीत ब्राजील, चिल्ली आयरलैण्ड, फिलिपन्स आदि देशो में कार्यपालिका जनता द्वारा प्रत्यक्षरूप से निर्वाचित होती है।

फ्रांस व अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव जनता द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से होता है। लॉस्की ने अमरीकी राष्ट्रपति की चुनाव प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा "इसे चार साल का तानाशाह" कहा।

स्विट्जरलैण्ड, चीन, भारत आदि में व्यवस्थापिका के द्वारा कार्यपालिका की नियुक्ति होती है।

-: कार्यपालिका के कार्य :-

1) आन्तरिक प्रशासन का कार्य :- कार्यपालिका का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य आन्तरिक प्रशासन है। जिसमे सुरक्षा, कानून व्यवस्था, विकास की योजनाए बनाना। जनकल्याण कारी कार्य करना आदि कार्य शामिल है।

2) वैदेशिक सम्बन्धो का संचालन → वर्तमान अन्तरराष्ट्रीय राजनीति अन्तः निर्भरता की राजनीति है। जिसमे प्रत्येक देश किसी ना किसी रूप मे दूसरे देश पर निर्भर है। अतः प्रत्येक देश की कार्यपालिका का महत्वपूर्ण कार्य वैदेशिक संबंधो का संचालन करना है।

4 व्यवस्थापिका सम्बंधि कार्य या कानून निर्माण कार्य - प्रदत्त व्यवस्थापन के कारण कानून निर्माण में कार्यपालिका की शक्ति बढ़ती जा रही है। इसके अलावा सामान्यतः व्यवस्थापिका द्वारा पारित विधेयक कार्यपालिका प्रमुख के हस्ताक्षर से ही अधिनियम बनता है। जब व्यवस्थापिका का अधिवेशन नहीं हो तब कार्यपालिका के पास अध्यादेश (123) के माध्यम से कानून बनाने की शक्ति है।

5 वित्तीय कार्य - देश में बजट का निर्माण करना तथा उसकी मद के अनुरूप उसे खर्च करने का कार्य भी कार्यपालिका करती है।

अन्य fact - फाइनर ने कार्यपालिका शक्ति को "अवशिष्ट शक्ति" की संज्ञा दी है।